e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 11, Issue 3, March 2022

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.569

9940 572 462 | 6381 907 438 | ijirset@gmail.com | www.ijirset.com

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102062 |

2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा में चुनाव परिणाम और दलीय स्थिति की समीक्षा

Dr. Sudhir Singh

Assistant Professor in Political Science, Government PG College, Rajakheda, Dhaulpur, India

सारांश

नतीजों से साफ है कि बीजेपी एक बार फिर स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में सपा की सीटों में इजाफा हुआ है लेकिन सरकार बनाने के जादुई आंकड़े से वो काफी दूर रह गई है। वहीं बीएसपी को सिर्फ 1 और कांग्रेस को 2 सीटें मिली हैं। अगर चुनावी नतीजों को गौर से देखें तो दलबदलुओं और बाहुबलियों को यूपी की जनता ने करारा जवाब दिया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बीजेपी के प्रदर्शन से साफ है कि किसान आंदोलन से बहुत बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।चुनाव आयोग के मुताबिक, भाजपा को 41.3 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं, जबकि समाजवादी पार्टी को 32.1 फीसदी और बहुजन समाज पार्टी को 12.9 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर शहर विधानसभा सीट पर करीब एक लाख से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीत गए। हालांकि, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कौशांबी जिले की सिराथू सीट पर सात हजार से अधिक मतों से चुनाव हार गए।

परिचय

कभी उत्तर प्रदेश की एक बड़ी सियासी ताकत रही बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मात्र एक सीट पर जीत हासिल कर सकी है।

1985 के बाद पहली बार कोई रूलिंग पार्टी दोबारा सत्ता में वापसी कर रही है.

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 37 साल बाद लगातार दूसरी बार कोई पार्टी सरकार बना रही है. रूझानों में बीजेपी को बहुमत मिलता दिख रहा है.सरकार बनाने के लिए 203 सीटें चाहिए और बीजेपी को इससे अधिक सीटों पर आगे चल रही है. वहीं समाजवादी पार्टी बहुत पीछे है तो बसपा व कांग्रेस करी हालत बहुत खराब है. सत्ता में रहते हुए दोबारा सरकार बनाने के लिए बहुमत हासिल कर योगी आदित्यनाथ ने “Noida Jinx” को तोड़ दिया. इससे पहले प्रदेश के किसी मुख्यमंत्री द्वारा नोएडा के दौरे पर जाने को मनहूस माना जाता था कि अगली बार चुनावों में हार ही नसीब होगी लेकिन करीब तीन दशक तक चले इस मिथ को योगी आदित्यनाथ ने तोड़ दिया और उनकी पार्टी को दोबारा शानदार बहुमत मिला है. विधानसभा में बहुजन समाज पार्टी विधायक दल के नेता उमाशंकर सिंह बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा सीट से 87887 मत पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के महेंद्र से 6583 मतों के अंतर से जीत गये हैं। [15] महेंद्र को 81304 मतों पर ही संतोष करना पड़ा है।दूसरी ओर, निर्वाचन आयोग के अनुसार समाजवादी पार्टी ने 111 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। सपा उम्मीदवारों में सबसे

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102062 |

आख़िर में जौनपुर जिले की मुंगराबादशाहपुर सीट पर सपा के पंकज की जीत की घोषणा हुई। पंकज ने भाजपा के अजय शंकर दुबे को 5230 मतों के अंतर से हरा दिया। इसके अलावा सपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल ने आठ सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि एक अन्य सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने छह सीटों पर जीत दर्ज की है।इसके अलावा, भाजपा की सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) ने 12 सीटों पर जीत दर्ज कर प्रदेश में तीसरे सबसे बड़े दल के रूप में अपनी जगह बना ली है। जबकि भाजपा की एक और सहयोगी निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) भी छह सीटों पर जीत गई है।निर्वाचन आयोग द्वारा बृहस्पतिवार रात करीब दो बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश की सभी 403 सीटों के परिणाम घोषित किये जा चुके हैं और इनमें भाजपा ने 255 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। भाजपा के उम्मीदवारों में सबसे आखिर में जौनपुर जिले में उप्र सरकार के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव की जीत की घोषणा हुई। यादव को 97760 मत मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी के अरशद खान को 89708 मतों पर संतोष करना पड़ा।भारतीय पुलिस सेवा(आईपीएस) से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेकर भाजपा में शामिल हुए अपर पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी रहे असीम कुमार कन्नौज से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के अनिल कुमार दोहरे से छह हज़ार से अधिक मतों से जीत गए। वहीं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी रहे और मूलतः उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा के अधिकारी रहे राजेश्वर सिंह भी वीआरएस लेकर भाजपा में शामिल हुए और उन्होंने लखनऊ की सरोजिनीनगर विधानसभा सीट पर अपने निकटम प्रतिद्वंदी सपा के अभिषेक मिश्रा को 56186 मतों के अंतर से पराजित कर दिया।[1,2]

विचार – विमर्श

मथुरा में ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा और राज्य मंत्री अतुल गर्ग ने गाजियाबाद में एक लाख से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतने का रिकार्ड बनाया है। इसके अलावा, राज्य सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना (शाहजहांपुर), सतीश महाना (महराजपुर), आशुतोष टंडन (लखनऊ पूर्व), सिद्धार्थनाथ सिंह (इलाहाबाद पश्चिम), नंद गोपाल गुप्ता नंदी (इलाहाबाद दक्षिण), सूर्य प्रताप शाही (पथरदेवा), रमापति शास्त्री (मनकापुर) जय प्रताप सिंह (बांसी) राम नरेश अग्निहोत्री (भोगांव), अनिल राजभर (शिवपुर), राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल (वाराणसी उत्तरी) नीलकंठ तिवारी (वाराणसी दक्षिणी), पल्टू राम (बलरामपुर) अजीत पाल (सिकंदरा), भी चुनाव जीत गए।गन्ना मंत्री सुरेश राणा (थाना भवन), ग्राम्य विकास मंत्री राजेंद्र सिंह उर्फ मोती सिंह (पट्टी), खेल मंत्री उपेंद्र तिवारी (फेफना) तथा बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश चंद्र द्विवेदी (इटवा) समेत राज्य सरकार के 11 मंत्री चुनाव हार गये हैं।विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और सपा के वरिष्ठ नेता राम गोविंद चौधरी बलिया की बांसडीह सीट से भाजपा की केतकी सिंह से चुनाव हार गये। केतकी सिंह को 103305 मत तथा चौधरी को 81953 मत मिले। जसवंतनगर सीट पर समाजवादी पार्टी के शिवपाल सिंह यादव 159718 मत पाकर चुनाव जीत गए और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के विवेक शाक्य को 68739 मतों से संतोष करना पड़ा।राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने 111 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। सपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल ने आठ और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने छह सीटों पर जीत दर्ज की है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मैनपुरी जिले की करहल सीट पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार प्रोफेसर एस पी सिंह बघेल को 67 हजार से अधिक मतों से पराजित कर दिया।प्रतापगढ़ जिले से ही आने वाले रघुराज प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली जनसत्ता दल लोकतांत्रिक ने दो सीटों पर जीत दर्ज की है।

भारत के चुनाव आयोग द्वारा 8 जनवरी 2022 को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई थी।

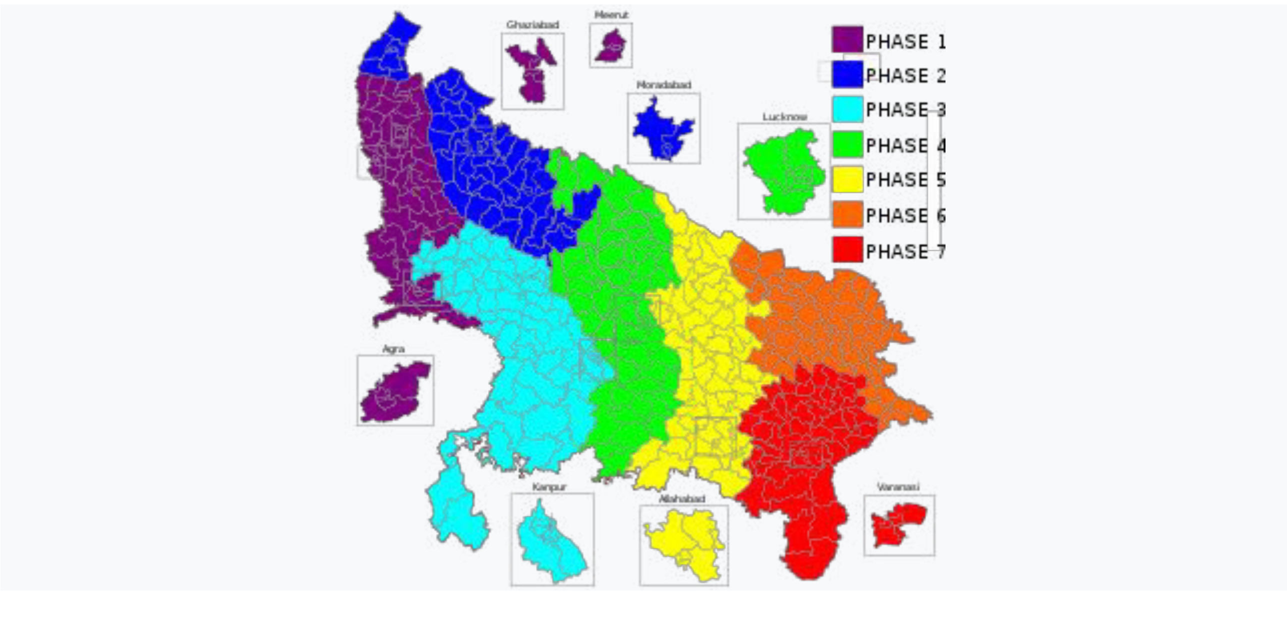

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102062 |

Map of constituencies and their phases

पॉल इवेंट	चरण						
	I	II	III	IV	V	VI	VII
नोटिफिकेशन डेट	१४ जनवरी २०२२	२१ जनवरी २०२२	२५ जनवरी २०२२	२७ जनवरी २०२२	१ फ़रवरी २०२२	४ फरवरी २०२२	१० फ़रवरी २०२२
नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि	२१ जनवरी २०२२	२८ जनवरी २०२२	१ फरवरी २०२२	३ फरवरी २०२२	८ फरवरी २०२२	११ फरवरी २०२२	१७ फरवरी २०२२
नामांकन की जांच	२४ जनवरी २०२२	२९ जनवरी २०२२	२ फरवरी २०२२	४ फरवरी २०२२	९ फरवरी २०२२	१४ फरवरी २०२२	१८ फरवरी २०२२
नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि	२७ जनवरी २०२२	३१ जनवरी २०२२	४ फरवरी २०२२	७ फरवरी २०२२	११ फरवरी २०२२	१६ फरवरी २०२२	२२ फरवरी २०२२
मतदान की तिथि	१० फरवरी २०२२	१४ फरवरी २०२२	२० फरवरी २०२२	२३ फरवरी २०२२	२७ फरवरी २०२२	३ मार्च २०२२	७ मार्च २०२२
मतगणना की तिथि	१० मार्च २०२२						

इनमें अपनी परंपरागत सीट कुंडा में रघुराज ने अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखा है।[13,14] इसके पहले वह 1993 से लगातार निर्दलीय जीत रहे थे लेकिन पहली बार खुद की बनाई पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े और जीते। बाबागंज विधानसभा सीट पर भी जनसत्ता दल के उम्मीदवार को जीत मिली है।कल के चुनाव परिणाम बहुजन समाज पार्टी के लिए सबक हैं। चुनाव नतीजों से कार्यकर्ता निराश न हों। हम वापसी के लिए अथक प्रयास करेंगे। केवल बीएसपी ही भाजपा को सत्ता में आने से रोक सकती है सपा नहीं। भाजपा ने इस चुनाव में हिंदू समाज को भ्रमित किया। इस चुनाव में मुस्लिम समुदाय ने बसपा की जगह सपा पर भरोसा जताकर बड़ी भारी गलती की। [3,4]

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102062 |

परिणाम

यूपी चुनाव का रिजल्ट आने के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहली प्रतिक्रिया दी है। यूपी चुनाव में सपा को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन

संख्या	पार्टी	झंडा	चुनाव चिन्ह	नेता	तस्वीर	चुनाव लड़ी गई सीटें	पुरुष प्रतियोगी	महिला प्रतियोगी
1.	भारतीय जनता पार्टी	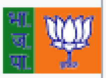	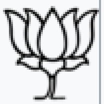	योगी आदित्यनाथ		जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।
style="text-align:center; background:साँचा:Apna Dal (Sonelal)/meta/color;color: white" |**2.**	अपना दल			अनुप्रिया पटेल		जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।
style="text-align:center; background:साँचा:NISHAD Party/meta/color;color:white " |**3.**	NISHAD पार्टी			प्रवीण कुमार निषाद	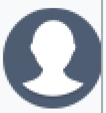	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।

समाजवादी पार्टी

संख्या	पार्टी	झंडा	चुनाव चिन्ह	नेता	तस्वीर	चुनाव लड़ी गई सीटें	पुरुष प्रतियोगी	महिला प्रतियोगी
1.	समाजवादी पार्टी			अखिलेश यादव		जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।
style="text-align:center; background:साँचा:Rashtriya Lok Dal/meta/color;color:white" |**2.**	राष्ट्रीय लोक दल	चित्र:Rashtriya Lok Dal Flag image.png		जयंत चौधरी		जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंसमेंट किया जाएगा।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102062 |

3.	राष्ट्रीय जनता दल			तेजस्वी यादव		जल्द ही अनाउंस मेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंस मेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंस मेंट किया जाएगा।
style="text-align:center; background:साँचा:Suheldev Bharatiya Samaj Party/meta/color;color:white" |**4.**	सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी			ओम प्रकाश राजभरी	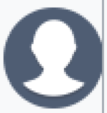	जल्द ही अनाउंस मेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंस मेंट किया जाएगा।	जल्द ही अनाउंस मेंट किया जाएगा।

5-महानदल केशव देव मौर्य

सपा को उम्मीद थी कि वह इस चुनाव में वापस करेगी लेकिन उसकी उम्मीदें धाराशायी हो गईं। अखिलेश ने रिजल्ट आने के अगले दिन अपने एक ट्वीट में कहा कि 'उप्र की जनता को हमारी सीटें ढाई गुनी व मत प्रतिशत डेढ़ गुना बढ़ाने के लिए हार्दिक धन्यवाद! हमने दिखा दिया है कि भाजपा की सीटों को घटाया जा सकता है। [11,12] भाजपा का ये घटाव निरंतर जारी रहेगा।आधे से ज़्यादा भ्रम और छलावा दूर हो गया है बाकी कुछ दिनों में हो जाएगा। जनहित का संघर्ष जीतेगा!'देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 37 साल बाद लगातार दूसरी बार कोई पार्टी सरकार बना रही है. रूझानों में बीजेपी को बहुमत मिलता दिख रहा है.सरकार बनाने के लिए 203 सीटें चाहिए और बीजेपी को इससे अधिक सीटों पर आगे चल रही है. वहीं समाजवादी पार्टी बहुत पीछे है तो बसपा व कांग्रेस करी हालत बहुत खराब है. सत्ता में रहते हुए दोबारा सरकार बनाने के लिए बहुमत हासिल कर योगी आदित्यनाथ ने “Noida Jinx” को तोड़ दिया. इससे पहले प्रदेश के किसी मुख्यमंत्री द्वारा नोएडा के दौरे पर जाने को मनहूस माना जाता था कि अगली बार चुनावों में हार ही नसीब होगी लेकिन करीब तीन दशक तक चले इस मिथ को योगी आदित्यनाथ ने तोड़ दिया और उनकी पार्टी को दोबारा शानदार बहुमत मिला है.[5,6]

निष्कर्ष

सत्ता में रहते हुए दोबारा सरकार के लिए बहुमत हासिल कर योगी आदित्यनाथ ने “Noida Jinx” को तोड़ दिया. इससे पहले प्रदेश के किसी मुख्यमंत्री द्वारा नोएडा के दौरे पर जाने को मनहूस माना जाता था कि अगली बार चुनावों में हार ही नसीब होगी लेकिन करीब तीन दशक तक चले इस मिथ को योगी आदित्यनाथ ने तोड़ दिया और उनकी पार्टी को दोबारा शानदार बहुमत मिला है. लखनऊ की लखनऊ नॉर्थ, लखनऊ सेंट्रल और मोहनलाल गंज से सपा आगे चल रही है. पिछले चुनाव में बीजेपी ने लखनऊ जिले की आठ सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि सपा की झोली में सिर्फ मोहनलाल गंज की एक सीट आई थी. [9,10] भाजपा सांसद हेमामालिनी ने कहा कि उनकी सरकार ने सभी का विकास किया जिसके कारण जनता का भरोसा उन पर है. बुलडोजर के सामने कुछ भी नहीं आ सकता है. यह मिनटों में कुछ भी खत्म कर सकता है चाहे वह साइकिल हो या कुछ और. आजमगढ़ में बीडीओ की गाड़ी से पोस्टल बैलेट पेपर बरामद होने के मामले में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने बीती रात लखनऊ में चुनाव आयोग से मुलाकात करके इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने और मतगणना के दौरान पूरी निष्पक्षता बरते जाने की मांग की है. पिछले चुनाव में बीजेपी को करीब तीन-चौथाई सीटों के साथ शानदार बहुमत मिला था. ज्यादातर एग्जिट पोल में इस बार भी बीजेपी की जीत का अनुमान जाहिर किया गया है. हालांकि उसकी सीटें घटने की बात भी ज्यादातर पोल में कही गई है.[7,8]

संदर्भ

1. "Terms of the Houses". Election Commission of India.
2. ↑ "37 साल बाद यूपी में रिपीट हो रही है सरकार, BJP ने तोड़ा कांग्रेस का रिकॉर्ड". आज तक. अभिगमन तिथि 12 मार्च 2022.
3. ↑ "UP Election में हर पार्टी के लिए इतनी अहम क्यों हैं पूर्वांचल की सियासत, जानिए". आज तक. अभिगमन तिथि 15 नवम्बर 2021.
4. ↑ "यूपी चुनाव अकेले लड़ेगी कांग्रेस, प्रियंका गांधी बोलीं- हर सीट पर उतारेंगे उम्मीदवार". आज तक. अभिगमन तिथि 15 नवम्बर 2021.

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102062 |

5. ↑ Dutta, Prabhash K. (19 अक्टूबर 2021). "How Priyanka Gandhi is taking on BJP with 40% Congress tickets to women in Uttar Pradesh polls". India Today (अंग्रेज़ी में). अभिगमन तिथि 12 नवम्बर 2021.
6. ↑ "प्रियंका की प्रतिज्ञा से यूपी फतेह की रणनीति, शुरू हुआ 'कांग्रेस पदाधिकारी प्रतिज्ञा संवाद'". आज तक. अभिगमन तिथि 15 नवम्बर 2021.
7. ↑ "यूपी में कांग्रेस के हाथ को नहीं मिला साथ, जानिए- क्या है अकेले चुनाव लड़ने का नफा-नुकसान?". आज तक. अभिगमन तिथि 16 नवम्बर 2021.
8. ↑ "Aam Aadmi Party will contest all 403 seats in UP in 2022 election, announces MP Sanjay Singh". India Today. 31 अगस्त 2021. अभिगमन तिथि 1 सितम्बर 2021.
9. ↑ "Mamata Banerjee eyes alliance with Samajwadi Party in Uttar Pradesh polls". The Economic Times. 12 सितम्बर 2021. अभिगमन तिथि 14 सितम्बर 2021.
10. ↑ "Shiv Sena to contest UP elections, will field candidates for all 403 seats". Business Standard India (अंग्रेज़ी में). 12 सितम्बर 2021. अभिगमन तिथि 24 सितम्बर 2021.
11. ↑ Srivastava, Ashish (12 सितम्बर 2021). "Shiv Sena to contest all 403 seats in Uttar Pradesh election in 2022". India Today. अभिगमन तिथि 12 नवम्बर 2021.
12. ↑ Ali, Roushan (29 जुलाई 2021). "Owaisi's AIMIM gearing for the big fight in Uttar Pradesh". The Times of India. अभिगमन तिथि 21 सितम्बर 2021.
13. ↑ "AIMIM to contest 100 seats in 2022 UP Assembly polls: Asaduddin Owaisi". India Today. India Today Web Desk. 27 जून 2021. अभिगमन तिथि 12 नवम्बर 2021.
14. ↑ "Bihar minister Mukesh Sahani miffed, says his party VIP will contest 165 seats in 2022 UP polls". India Today (अंग्रेज़ी में). अभिगमन तिथि 14 सितम्बर 2021.
15. ↑ "लोजपा यूपी में बन रही है मजबूत, प्रदेश अध्यक्ष की अगुवाई में लड़ेंगे चुनाव- चिराग पासवान". Hindustan Smart (hindi में). अभिगमन तिथि 6 अक्टूबर 2021.

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor:
7.569

doi crossref

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details

www.ijirset.com